AZAD DEGREE COLLEGE

(Affiliated to Lucknow University, Lucknow)
लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्ध
Azadpuram, Post : Chandrawal, Adjacent CRPF Camp, Lucknow-226 002
Website : www.adclucknow.org / E-mail : contact@adclucknow.org
Phone : 0522-2817608, 609, Fax : 0522-2817609

Ref. No. ADC/LU/ADV/2025/002

Date 07.05.2025

कुल सचिव का कार्यालय
896
08/05/25

सेवा में ,

कुल सचिव ,
लखनऊ विश्वविद्यालय ,
लखनऊ

विषय : महाविद्यालय में रिक्त पदों हेतु विज्ञापन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने के सम्बन्ध में।

महोदय ,

आपको अवगत कराना है कि महाविद्यालय में बी० काम ० तथा बी ० सी ० ए० पाठ्यक्रमों में सहायक आचार्यों के रिक्त पदों हेतु महाविद्यालय द्वारा दैनिक समाचार पत्र राष्ट्रीय हिंदी दैनिक पॉलिटिक्स बुलेटिन, लखनऊ एवं बृज विमला वाणी, प्रतापगढ़ व लखनऊ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित करवा दिया गया है।

अत: श्रीमान जी से अनुरोध है कि उक्त विज्ञापन को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने की कृपा करें।

भवदीय

प्रबंधक/सचिव
आज़ाद डिग्री कॉलेज
लखनऊ
मो.नं.-8960362362

Secretary
Azad Educational Society ,
Lucknow

संलग्नक :-
विज्ञापन की प्रमाणित छायाप्रति

इंचार्ज (डाटा)
09.5.25

जाइये, आतंकवादियों के सिर लेकर आइये! सरकार असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए मेरे जैसे लोगों पर केस कर रही है, क्या ये बात समझना इतना मुश्किल है? बताया जा रहा है कि यह बयान उस वक्त आया है जब ... हो रहे हैं। लखनऊ के हजरतगंज थाने में नेहा ... सिंह ने आरोप लगाया है कि नेहा के सोशल मीडिया पोस्ट 2 समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने वाले हैं और उनके वीडियो पाकिस्तान तक वायरल हो रहे हैं। एफआईआर दर्ज होने के बाद भी नेहा पीछे हटने को तैयार नहीं ... कई विवादित ट्वीट किए गए हैं, जिन पर आपत्ति जताते हुए एफआईआर दर्ज कराई गई है। हजरतगंज पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ट्विटर अकाउंट के जरिए कथित सामाजिक वैमनस्य फैलाने की पड़ताल की जा रही है।

देंगे। आपको बता दें कि युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने वीडियो जारी कर कहा– सांसद इस बार भी बच गए, कुछ गाड़ियां ही टूट पाईं। तेरी ऐसी नकेल डालेंगे, तेरी कई पीढ़ियां बाबर के नाम लेना भूल जाएंगी। हर बार प्रशासन बचाने नहीं आएगा। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत ने कहा, जब तक तोड़ेंगे नहीं, तब तक छोड़ेंगे नहीं। वहीं अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पाल सिंह अंबू ने कहा–क्षत्रियों ने हमेशा राष्ट्रहित के लिए लड़ाई लड़ी है। सरकार अगर छूट दे तो करणी सैनिक मानव बम बनने को तैयार हैं। हम बॉर्डर पर नहीं जा सकते, लेकिन सेना हमें जो काम देगी हम उसे पूरा करेंगे। गौरतलब है कि सपा राज्य सभा सांसद पर कल यानि रविवार को हमला हुआ था।

किसी के पास डबल काम तो कोई बैठा खाली, तीन साल से नहीं है स्थाई डीजीपी

संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार में यूपी को पुलिस का स्थाई मुखिया पिछले 3 साल से नहीं मिल पा रहा है। कई ऐसे अहम पद हैं, जिनपर स्थायी तैनाती नहीं हो पा रही है। सरकार को कुछ अफसरों की काबिलियत पर शक है तो कुछ पर भरोसा नहीं है। वजह है कि कुछ पुलिस अधिकारियों पर काम का एक्स्ट्रा भार है। यूपी पुलिस 3 साल से कार्यवाहक मुखिया के भरोसे चल रही है। इंटेलिजेंस के आखिरी डीजी व पूर्व कार्यवाहक डीजीपी देवेंद्र सिंह चौहान 2023 में रिटायर हुए थे। यह पद लंबे समय से किसी के पास नहीं है। इंटेलिजेंस को स्थायी डीजी का इंतजार है। सीएम योगी के विश्वसनीय अफसरों में मौजूदा डीजीपी प्रशांत कुमार पर भी अतिरिक्त भार है। वर्तमान में आर्थिक अपराध शाखा की भी जिम्मेदारी संभाले हैं। राजीव कृष्णा के पास भर्ती बोर्ड और विजिलेंस दोनों है। दिपेश जुनेजा अभियोजन और सीआईडी दोनों यूनिट देख रहे हैं। नीरा रावत के पास एडीजी यूपी– 112 के साथ एडीजी प्रशासन की जिम्मेदारी है। एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश के पास एसटीएफ की भी जिम्मेदारी है। लखनऊ रेंज में तैनात प्रशांत कुमार द्वितीय को आईजी से एडीजी पद पर प्रमोशन मिले 4 महीने हो गए, लेकिन अभी आईजी रेंज की कुर्सी संभाल रहे हैं। पहले पूरे जोन में एक आईजी रैंक का अधिकारी होता था, जिसमें कमिश्नरेट शामिल था। उसी व्यवस्था को संभालने के लिए तीन–तीन एडीजी रैंक के अफसर लगे हैं। महाकुंभ मेले में तैनात रहे डीआईजी वैभव कृष्ण को नई जिम्मेदारी मिलनी है। एसपी मुजफ्फरनगर अभिषेक को नई तैनाती चाहिए। प्रयागराज में तैनात अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अजय पाल शर्मा प्रयागराज से निकलना चाहते हैं। लखनऊ के अलावा इसी महीने बरेली रेंज भी खाली हो रही है। आईजी डॉ. राकेश सिंह 30 अप्रैल को रिटायर हो रहे हैं। उनकी जगह पर नई तैनाती होनी है। मुरादाबाद और सहारनपुर में भी लंबे समय से बदलाव का इंतजार है।

DATE- 29/04/2025

हेमंत पटेल की हत्या के आरोपी बीजेपी के करीबी : पल्लवी पटेल

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के एक निजी स्कूल में 22 अप्रैल को 12वीं कक्षा के छात्र हेमंत पटेल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज घटना ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैला दिया है। इसको लेकर अब सियासत भी गर्म हो चुकी है। अपना दल कामेरवादी के अध्यक्ष और समाजवादी पार्टी से विधायक पलवी पटेल ने आज लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोपी प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी के करीबी है। इसलिए पुलिस पर दबाव डालकर तहरीर बदलवाई जा रही है। लखनऊ में प्रेस वार्ता के विधायक पल्लवी पटेल ने वाराणसी हत्याकांड को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि, चूंकि आरोपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी और भाजपा नेता है, इसलिए वह पुलिस पर दबाव डालकर तहरीर बदलवा रहा है। पल्लवी पटेल ने पुलिस द्वारा उनके साथ दुर्व्यवहार का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा, मैं एक चुनी हुई जनप्रतिनिधि हूं, लेकिन वहां पुलिस ने मुझे जातिसूचक गालियां दीं। मेरे संस्कार ऐसे नहीं हैं कि मैं उन गालियों को चुपचाप सह लूं। इसलिए मैं यह सारी गालियां उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार को लौटाती हूं। पल्लवी ने तंज कसते हुए कहा कि पुलिस अपराधियों को पकड़ने में विफल है, लेकिन गालियां देने में जरूर माहिर हो गई है। घटना के बाद राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता पटेल समुदाय का समर्थन पाने के लिए वाराणसी पहुंचकर पुलिस प्रशासन पर सवाल उठा रहे हैं।

AZAD DEGREE COLLEGE

(Under Auspices of Azad Educational Society)
Affiliated to Lucknow University, Lucknow
Naubasta, Post- Chandrawal, Bijnour, Adjacent CRPF Camp
Lucknow-226002

आवश्यकता है

स्ववित्तपोषित योजना के अन्तर्गत यू0जी0सी0 उत्तर प्रदेश शासन एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के मानकानुसार वांछित योग्यता एवं वेतनमान में निम्नलिखित पदों हेतु आवेदन आमंत्रित है-

स्नातक स्तर पर वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत बी0काम0 पाठ्यक्रम में सहायक आचार्य 04 पद स्नातक स्तर पर बी0सी0ए0 पाठ्यक्रम में सहायक आचार्य-04 पद।

इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन पत्र नवीनतम चार फोटो तथा सभी शैक्षिक एवं अनुभव अभिलेखों की सत्यापित/प्रमाणित छायाप्रति सहित आवेदन रजिस्टर्ड डाक द्वारा एवं किसी भी कार्य दिवस में महाविद्यालय के कार्यालय में इस्तगत विज्ञापन तिथि से 15 कार्य दिवस के अंदर भेजे/जमा करें।

नोट– यू0जी0सी0, उत्तर प्रदेश शासन एवं लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत नवीनतम शैक्षिक अर्हता एवं मानकानुसार वेतनमान में नियुक्ति की कार्यवाही संपन्न की जाएगी।

भवदीय

प्रबन्धक

आजाद डिग्री कालेज, लखनऊ

Secretary
Azad Educational Society
Lucknow

संपर्क सूत्र
Mobile No. 7705004882
Email :azaddclucknow@gmail.com